



अधिकतम : 27° C
न्यूनतम : 19° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

मेरठ, सोमवार 1 जून 2026 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 359 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

च्येठ शुक्ल पक्ष 15 विक्रमी सम्वत् 2083

14 जिलाहिज्जा 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुगदाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



हुगली में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमले की अखिलेश यादव ने की निंदा



सात्विक-चिराग पहली बार बने सिंगापुर ओपन के विजेता



छोटे से मदरसे से विश्व विख्यात संस्था बनना मामूली बात नहीं



डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को नई धमकी

संक्षिप्त समाचार

सूर्या प्रताप हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुठभेड़ में मारा गया
गाजियाबाद (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के खोडा क्षेत्र में 17 वर्षीय सूर्या प्रताप चौहान की चाकू से गोदकर हत्या के मामले में फरार चल रहा मुख्य आरोपी एवं 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश असद पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। यह कार्रवाई खोडा थाना और इंदिरापुरम पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस उपायुक्त (नगर/ट्रांस हिंडन/मुख्यालय) धवल जायसवाल ने रविवार को बताया कि सूर्या प्रताप हत्याकांड में वांछित चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी असद को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया, तो आरोपी ने गोली चला दी। इसके बाद पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई में वह घायल हो गया। उसे उपचार के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई।

उच्च क्षमता वाले बम का सफल परीक्षण
पंचकुला, हरियाणा के पंचकुला के रामगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल) क्षेत्र में रविवार को उच्च क्षमता वाले बम का परीक्षण किया गया। सुरक्षा कारणों से प्रशासन ने पहले ही आसपास के गांवों के लिए परामर्श जारी कर दिया था। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह करीब 11:30 बजे हुए परीक्षण के दौरान जोरदार धमाका हुआ, जिसकी आवाज लगभग 6 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।
ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम व मणिपुर में एसआईआर शुरू
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम और मणिपुर में मतदाता सूची के एसआईआर प्रक्रिया के तीसरे चरण के तहत गणना चरण शुरू कर दिया है। आयोग द्वारा बताया गया कि इन चार राज्यों में यह अभियान 30 मई से शुरू हो चुका है। जिन पात्र मतदाताओं के फॉर्म 28 जून या उससे पहले अधिकारी के पास जमा हो जाएंगे, उनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे।

दो दिन में 100 मीटर का नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में गर्मी को लेकर बात की। पीएम ने कहा कि हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार रसोई में भी मिलता है। आपने भी देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है। पीएम ने कार्यक्रम में इस वक्त देश के दो चर्चित

यूपी सहित आठ राज्यों में पारा 40 डिग्री से नीचे

नई दिल्ली। वेस्टर्न डिस्ट्रिक्ट्स के कारण मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा में पिछले 15 दिन से चल रही भीषण गर्मी से राहत मिली है। आंधी, बारिश और ओले गिरने से इन राज्यों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। हिमाचल, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, राजस्थान समेत 8 राज्यों में आंधी-बारिश का अर्रिज अलर्ट है। उत्तराखंड में खबर मौसम के कारण केंदरनाथ यात्रा 3 घंटे तक रुकी रही। हालांकि, शनिवार को देश के 36 शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा। महाराष्ट्र के विदर्भ में तापमान अभी भी 44

जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने नए सीडीएस का पदभार संभाला

नई दिल्ली। जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हें पाकिस्तान और चीन के मामलों का बड़ा विशेषज्ञ माना जाता है। उनका मुख्य उद्देश्य महत्वकांक्षी मिलिट्री थिएटरेशन (सैन्य थिएटराइजेशन) योजना को लागू करना और तीनों सेनाओं के बीच तालमेल को मजबूत करना है। उन्होंने जनरल अमिल चौहान को पदभार सौंपते हुए कहा कि उनका मुख्य ध्यान सशस्त्र बलों के बदलाव और संगठनात्मक सुधारों पर होगा।
कहा: उनका मुख्य ध्यान सशस्त्र बलों के बदलाव और संगठनात्मक सुधारों पर होगा
थलसेना के उप प्रमुख के पद से रिटायर हुए थे। पर सभलने के बाद जनरल सुब्रमणि ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य ध्यान सशस्त्र बलों के बदलाव और संगठनात्मक सुधारों पर होगा। वह प्रधानमंत्री के 'जेएआई' विजन यानी जाइंटनेस (तालमेल), आत्मनिर्भरता और इनोवेशन (नवाचार) को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना के जवानों को ट्रेनिंग और उनका कल्याण सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। जनरल सुब्रमणि ने कहा कि आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मुख्य आधार है। वह सेना में स्वदेशी हथियारों के विकास और उन्हें शामिल करने के काम में तेजी लाएंगे। आधुनिकीकरण के लिए सेना, उद्योग, शिक्षण संस्थानों, स्टार्टअप और रिसर्च क्षेत्र के बीच सहयोग बढ़ाया जाएगा।

राहुल ने की CBSE स्टूडेंट्स से बातचीत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई 12वीं क्लास के छात्रों से मुलाकात की। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर छात्रों से बातचीत का वीडियो पोस्ट किया और ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) में गडबडियों को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। वीडियो में राहुल ने छात्रों से उनकी परेशानी के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि स्टूडेंट्स ने सीबीएसई और मोदी सरकार से सिर्फ कुछ आसान सवाल पूछे थे, लेकिन जवाब के बजाय उनका अपमान किया गया। उन्हें एंटी-नेशनल, जासूस और आतंकवाद जैसे नाम दिए गए। राहुल ने जिन छात्रों से बात की, उनमें वेदांत भी शामिल थे। वेदांत की एक पोस्ट वायरल हुई थी, जिसमें उसने कहा था कि री-इवैल्यूएशन के दौरान पोर्टल पर जो स्कैन की गई कॉपी अपलोड की गई, वे उनकी नहीं थीं। वेदांत के बाद कई अन्य छात्रों ने भी ऐसी शिकायतें कीं। इससे पहले राहुल ने 30 मई को भी परीक्षाओं में गडबडियों को लेकर सरकार से सवाल किए थे। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी एक करोड़ बच्चे और 4 परीक्षार्थी एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाई। उन्होंने आगे कहा कि सरकार विश्वगुरु बनने के दावे करती है, मगर देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकती। पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर रही है। सरकार जिस पीढ़ी का भविष्य बर्बाद कर रही है, वही पीढ़ी हिसाब करेगी।

दिल्ली: साकेत बिल्डिंग हादसे में अब तक छह लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार शाम पांच मॉजिला बिल्डिंग गिर गई। जिसमें अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 10 घायलों को एम्स के ट्रामा सेंटर में एडमिट कराया गया है, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। दक्षिणी दिल्ली जिले के डीएसपी अनंत मित्तल ने बताया कि जिस जगह मलबा गिरा, वहां मेंडिकल स्टूडेंट्स की कैंटीन थी।

पीएम ने मन की बात में की गर्मी को लेकर बात

एथलीट की भी बात की। पीएम ने कहा कि एक इवेंट जिसकी देशभर में बहुत चर्चा हो रही है, वह है 100 मीटर की रेस। महज दो दिनों के भीतर में 100 मीटर रेस में नेशनल रिकॉर्ड तीन बार टूटा। दो एथलीट्स ने ये कमाल दिखाया है।
10 घायल, दो की हालत गंभीर
इसके चलते कई स्टूडेंट्स मलबे में दब गए थे। पुलिस और बचाव दलों ने अब तक करीब 12 लोगों को बाहर निकाला है। एनडीआरएफ, फायर सर्विस और दिल्ली पुलिस संयुक्त रूप से अभी भी राहत और बचाव अभियान चला रहे हैं।

यूपी के स्थायी DGP बने राजीव कृष्णा

शाह टाइम्स ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश को लंबे इंतजार के बाद अपना पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मिल गया है। वर्तमान में कार्यवाहक डीजीपी राजीव कृष्ण को प्रदेश का पूर्णकालिक पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से भेजे गए पैलर पर शासन स्तर पर मंथन पूरा होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्तमान कार्यवाहक डीजीपी को ही पूर्णकालिक डीजीपी बनाए जाने पर मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही यूपी को चार साल बाद स्थायी डीजीपी मिल गया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। यूपीएससी ने 26 मई को हुई बैठक के बाद 1990 बैच की आईपीएस अधिकारी रेणुका मिश्रा तथा 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी पीयूष आनंद और राजीव कृष्ण के नामों का पैलर प्रदेश सरकार को भेजा है। इनमें राजीव कृष्ण का नाम सबसे मजबूत माना जा रहा था। आखिरकार मुख्यमंत्री योगी ने भी उनके नाम पर मंजूरी दे दी। राजीव कृष्ण एक जून 2025 से कार्यवाहक डीजीपी के तौर पर जिम्मेदारी निभा रहे थे।

बेंगलुरु लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन

अहमदाबाद। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स को हराकर टीम पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी ने इस बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए नया इतिहास रच दिया। रविवार को अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए वाशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत संतुलित रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाया और टीम को जीत की नींव रखी। कोहली ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। विराट कोहली ने एक बार फिर साबित किया कि जब बड़े मंच पर प्रदर्शन की बात आती है, तो वह सबसे आगे रहते हैं। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल 2026 के गडनल में लक्ष्य का पीछा करते हुए रमदार पारी खेली। कोहली ने आईपीएल का अपना सबसे तेज पचासा लगाया और आरसीबी को लगातार दूसरी बार खिताब दिलाया। आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट खोकर 161 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया।



DOON GROUP OF COLLEGES

Dehradun

NAAC GRADE A

Affiliated To: HNB Garhwal Central University, SDS University

ADMISSION OPEN 2026-27

27 Years OF ACADEMIC EXCELLENCE

COURSES OFFERED

- ◆ AGRICULTURE
- ◆ PARAMEDICAL
- ◆ FORESTRY
- ◆ HORTICULTURE
- ◆ FISHERIES SCIENCE
- ◆ FOOD TECHNOLOGY
- ◆ MANAGEMENT
- ◆ BBA
- ◆ BCA
- ◆ D. PHARMA
- ◆ B. PHARMA*

and many more...



North India's Best & Oldest Agriculture, Paramedical & Life Sciences Institute

www.dpmmc.in

Admission Helpline: 7017809991, 9548001418, 9837008360

28 Chakrata Road, Behind Bindal Petrol Pump Dehradun

बंगाल में फिर हिंसा

देश महंगाई की चपेट में है, योजना प्रयोग होने वाली चीजें महंगी हो गई हैं, दूसरी ओर देश का एक राज्य पश्चिमी बंगाल बदले की भावना की आग में जल रहा है। आखिरे देश किस ओर जा रहा है और हमारे मंत्री से लेकर संतरी तक आंख बंद कर बैठे हुए हैं। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद से लगातार सियासी बवाल जारी है। शनिवार को टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद अब पार्टी के एक और सांसद कल्याण बनर्जी पर हमला किया गया है। इसके बाद तनाव और भी बढ़ गया है। हुगली में प्रदर्शनकारियों ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और चोर-चोर के नारे लगाए। इसके साथ उनके साथ मारपीट भी की गई। वहीं इस पूरे मामले पर टीएमसी सांसद का बयान सामने आया है। उन्होंने अपने ऊपर हुए हमले के पीछे बीजेपी का हाथ बताया है, जबकि बीजेपी का कहना है कि ये सब टीएमसी का झूठा है, इसके अलावा कुछ भी नहीं। यहां यह बात उल्लेखनीय है कि जब ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री थी, तब बीजेपी को कार्यकर्ताओं पर हमला हुआ था। अब वहां भाजपा के सीएम शुभेंद्रु की सरकार है। अगर बीजेपी हिंसा में विश्वास नहीं रखती, तो सवाल उठता है कि अब टीएमसी नेताओं पर हमले क्यों हो रहे हैं। यह तो वही बात हुई कि अगर कुल्ला ईसान को काट ले, तो ईसान कुल्ले को नहीं काटता, केवल अपना इलाज करता है। इसलिए यदि भाजपा सरकार को लग रहा है कि टीएमसी के नेता भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, जो सरकार को कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सरकार की आड़ में टीएमसी नेताओं पर हमले हो रहे हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी चंडीतला पुलिस स्टेशन के ऑफिसर इंचार्ज से मिलने और जापान देने के लिए कार से आ रहा थे, तो चंडीतला मार्केट में बहुत ज्यादा ट्रैफिक जाम था। उस समय वे अपने पीएसओ के साथ चंडीतला क्रॉसिंग पर चल रहे थे, जो चंडीतला पुलिस स्टेशन से 50 किलोमीटर दूर है। भागवा कपड़ों में 10-15 भाजपा के गुंडे थे, जिन्होंने अचानक नारे लगाए और दुश्मनी का माहौल बना दिया। इसके साथ ही बंगाल पुलिस चुपचाप तमाशा देखती रही। इसका मतलब ये हुआ कि भाजपा सरकार में पुलिस भी निकम्मी हो गई है। किसी भी राज्य की पुलिस की जिम्मेदारी अपराध रोकने की होती है, लेकिन पश्चिम बंगाल पुलिस अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा सकी। जब पुलिस ही निरंकुश हो जाएगी, तो अपराध बढ़ेंगे ही। फिर सीएम शुभेंद्रु कैसे कहेंगे कि उनके राज्य में अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। सरकार बनने के बाद किसी भी सीएम की जिम्मेदारी राज्य में अपराध रोकने की होती है। इसके सामने पार्टी गौण होती है, लेकिन पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है, उसे किसी भी स्तर पर ठीक नहीं कहा जा सकता, क्योंकि बदला लेने की भावना हमारे देश की परंपरा नहीं है।

भाजपा सरकार के दावों की पोल खुली

भाजपा याद रखे कि वो जिस हिंसक राजनीति को दूध पिलाकर पाल-पोस रही है, वो आस्तीन की सांप है, पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में वयोवृद्ध तुणमूल सांसद श्री कल्याण बनर्जी पर जानलेवा हमला बेहद निंदनीय और गंभीर घटना है। लोकसभा स्पीकर संजय लाल, इससे पूर्व दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर में शनिवार को तुणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की घटना ने पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार के दावों की पोल खोलते हुए गंभीर सवाल खड़े कर दिया हैं, हमलावरों की पहचान कर उन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी

अपने विचार रखें...

हम पाठकों, वरिष्ठ स्तंभकारों और लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर राय भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं, यहां प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं।

सम्पादकीय डेस्क

(सूजड़ चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर, पिन कोड-251003)

हाजी आबिद हुसैन तसव्वुफ के बड़े आलिम थे। उन्हें प्रसिद्ध सूफी संत हाजी इमदादुल्लाह मुहाजिर मक्की से खिलाफत (आध्यात्मिक उत्तराधिकार) प्राप्त थी। 1857 की क्रांति की विफलता के बाद जब भारत में मुस्लिम समाज सांस्कृतिक और शैक्षिक रूप से बिखर रहा था, तब हाजी आबिद हुसैन की आध्यात्मिक साख और इमाम कासिम नानौतवी के अकादमिक दृष्टिकोण ने मिलकर देवबंदी आंदोलन को जन्म दिया। दारुल उलूम देवबंद के प्रथम स्नातक महमूद हसन (शेखुल हिंद) ने रेशमी रुमाल आंदोलन (Silk Letter Movement) के जरिए अंग्रेजों को उखाड़ फेंकने की राजनैतिक आन्दोलन कायम किया।

हाजी सैयद मुहम्मद आबिद हुसैन देवबंदी दारुल उलूम देवबंद के मुख्य संस्थापकों और इसकी आधारशिला रखने वाले प्राथमिक स्तंभ हैं। ऐतिहासिक तथ्यों और तर्कों के आधार पर उन्हें इस वैश्विक इस्लामी संस्थान के संस्थापकों में शीर्ष स्थान प्राप्त है। 30 मई 1866 (15 मुहर्रम 1283 हिजरी) को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद कस्बे की छत्ता मस्जिद में एक अनाक के पेड़ के नीचे इस ऐतिहासिक मंदरसे की शुरुआत हुई थी। इस महान कार्य में उनके साथ मौलाना फजलुर्रहमान, मौलाना जुल्फिकार अली, हाजी फजलेहक, उलेमा शामिल थे।

हाजी आबिद हुसैन के संस्थापक होने के पक्ष में तर्कसंगत और ऐतिहासिक साक्ष्य निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझे जा सकते हैं-

संस्थागत आधारशिला और चंदा संग्रह की शुरुआत

ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, देवबंद में एक व्यवस्थित और स्वतंत्र उच्च स्तरीय अरबी मंदरसे की स्थापना के व्यावहारिक विचार को धरातल पर उतारने में हाजी आबिद हुसैन की भूमिका सबसे

छोटे से मंदरसे से विश्व विख्यात संस्था बनना मामूली बात नहीं



अग्रणी थी। उन्होंने ही सबसे पहले इस संस्थान के लिए सार्वजनिक चंदा इकट्ठा करने का अभियान शुरू किया था। उलेमाओं के इस समूह का नेतृत्व करते हुए उन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रभाव से लोगों को इस शैक्षणिक क्रांति से जोड़ा।

दारुल उलूम के प्रथम मोहतामिम

हाजी आबिद हुसैन न केवल इसके संस्थापक सदस्य थे, बल्कि वे दारुल उलूम देवबंद के सबसे पहले मोहतामिम बनाए गए थे। उन्होंने तीन अलग-अलग कार्यकालों में इस पद को संभाला और संस्थान के प्रशासनिक ढांचे की मजबूत नींव रखी।

प्रथम कार्यकाल - 1866 से 1867 तक
द्वितीय कार्यकाल - 1869 से 1871 तक
तृतीय कार्यकाल - 1890 से 1892 तक

मंदरसे की इमारत के लिए भूमि और वैधानिक दस्तावेज

जब दारुल उलूम को मस्जिद से निकालकर एक

स्वतंत्र और भव्य शैक्षणिक संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया, तो हाजी आबिद हुसैन ने इसमें केंद्रीय भूमिका निभाई। संस्थान की नई इमारत के निर्माण के लिए जो जमीन खरीदी गई थी, उसका बिक्री-विलेख (Sale-Deed) हाजी आबिद हुसैन के नाम पर ही हस्ताक्षरित हुआ था। मियार्जी मुन्ने शाह के बाद वे दूसरे ऐसे व्यक्ति थे जिन्होंने इस नई इमारत की आधारशिला (नींव का पत्थर) रखी थी।

हाजी आबिद हुसैन तसव्वुफ के बड़े आलिम थे। उन्हें प्रसिद्ध सूफी संत हाजी इमदादुल्लाह मुहाजिर मक्की से खिलाफत (आध्यात्मिक उत्तराधिकार) प्राप्त थी। 1857 की क्रांति की विफलता के बाद जब भारत में मुस्लिम समाज सांस्कृतिक और शैक्षिक रूप से बिखर रहा था, तब हाजी आबिद हुसैन की आध्यात्मिक साख और इमाम कासिम नानौतवी के अकादमिक दृष्टिकोण ने मिलकर देवबंदी आंदोलन को जन्म दिया। दारुल उलूम देवबंद के प्रथम स्नातक महमूद हसन (शेखुल हिंद) ने रेशमी रुमाल



आंदोलन (Silk Letter Movement) के जरिए अंग्रेजों को उखाड़ फेंकने की राजनैतिक आन्दोलन कायम किया। यहां के उलेमा ने बाद में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की स्थापना की और द्वि-राष्ट्र सिद्धांत (Two-Nation Theory) का विरोध करते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ मिलकर अखंड भारत की आजादी की लड़ाई लड़ी। वैश्विक और भारतीय इतिहासकारों (जैसे क्रिस्टोफ जाफरलॉट और जियाउद्दीन सरदार) के शोध इस बात की पुष्टि करते हैं कि हाजी आबिद हुसैन ने ही सूफी परंपरा और जन-भागीदारी के मेल से इस मंदरसे की शुरुआत की थी, जिसमें बाद में इमाम कासिम नानौतवी मुख्य मार्गदर्शक के रूप में शामिल हुए। तर्कसंगत और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर यह पूरी तरह अकाद्य है कि हाजी आबिद हुसैन देवबंदी केवल एक सहयोगी नहीं, बल्कि दारुल उलूम देवबंद के मूल संस्थापक, पहले प्रशासनिक प्रमुख और इसके अस्तित्व के जन्मदाता थे। उनके बिना देवबंद आंदोलन और इस महान इंदारे के आरंभिक इतिहास की कल्पना असंभव है परन्तु यह भी विदम्बना है कि इस महापुरुष के साथ घोर नाईसाफी यह है कि इनके नाम पर दारुल उलूम में कोई विभाग, भवन, एकेडमी आदि का नामकरण नहीं हो पाया। 2024 के प्रस्ताव के अनुसार दारुल उलूम ने हाजी आबिद हुसैन देवबंदी को संस्थापक मानते हुए इनके नाम पर एक इमारत के नामकरण को स्वीकार किया गया है। यह कहावत देर आयद दुरुस्त आयद तो कहा जा सकता है मगर अपने ऊपर एक सवाल खड़ा कर रहा है कि हकीकत और इतिहास को स्वीकार करने में इतनी बाधा क्यों आती है।

युवाओं में प्रचलित हुक्का बन सकता है जान का दुश्मन

हुक्का पीने से सबसे पहले गले पर असर पड़ता है लगातार धुएँ के सम्पर्क में रहने से गले में जलन, खरास और सूजन होने लगती है। कई लोगों को बार-बार खांसी की समस्या हो जाती है। लंबे समय तक हुक्का पीने से आवाज बैठने लगती है और बोलने में कठिनाई भी हो सकती है। इसके अलावा गले में कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। नाक पर भी हुक्के का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हुक्के का धुआं नाक की अंदरूनी झिल्ली को प्रभावित करता है जिससे एलर्जी, साइनस और नाक बंद रहने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। धुएँ के कारण नाक की सूंघने की क्षमता भी कम हो सकती है। कानों पर भी इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। गले और नाक में संक्रमण होने पर उसका असर कानों तक पहुंच सकता है। इससे कान में दर्द, भारीपन या सुनने में परेशानी हो सकती है। बच्चों और युवाओं में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। बुद्धापन होने वाला बहरापन बढ़ जाता है। मधुमेह के रोगी में विशेष हानिकारक होता है। हुक्का पीने से मुंह और दांतों पर भी असर पड़ता है, इससे दांत पीले पड़ जाते हैं। मसूड़ों में सूजन आ जाती है और मुंह से दुर्गंध आने लगती है। लगातार हुक्का पीने वाले लोगों में मुंह के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। हुक्का केवल कान, नाक और गले को ही नहीं बल्कि पूरे शरीर को प्रभावित करता है इससे फेफड़ों की क्षमता कम होती है और सांस संबंधी रोग बढ़ते हैं। हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और कमजोरी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए हुक्का अत्यंत हानिकारक माना जाता है क्योंकि इसका प्रभाव बच्चे के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। सामान्यतया यह माना जाता है कि धुआं पानी से छनकर आने के कारण हानिकारक तत्व पानी में रह जाते हैं। ऐसा नहीं है केवल तापमान गिर जाता है। टॉक्सिक पदार्थ स्वास्थ्य के साथ फेफड़ों में पहुंचते हैं।



डा. एन.के. तनेजा

आज के समय में युवाओं के बीच हुक्का पीना एक फैशन बन गया है। बहुत से लोग यह मानते हैं कि हुक्का सिगरेट की तुलना में कम नुकसानदायक होता है लेकिन यह धारणा गलत है। हुक्का स्वास्थ्य के लिए सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पाद से कई गुना अधिक हानिकारक है। हुक्के में निकोटिन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कई जहरीले रसायन पाए जाते हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों पर बुरा प्रभाव डालते हैं। विशेष रूप से कान, नाक और गले पर इसके गंभीर दुष्प्रभाव दिखने को मिलते हैं। हुक्का पीने से सबसे पहले गले पर असर पड़ता है लगातार धुएँ के सम्पर्क में रहने से गले में जलन, खरास और सूजन होने लगती है। कई लोगों को बार बार खांसी की समस्या हो जाती है। लंबे समय तक हुक्का पीने से आवाज बैठने लगती है और बोलने में कठिनाई भी हो सकती है। इसके अलावा गले में कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। नाक पर भी

हुक्के का नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हुक्के का धुआं नाक की अंदरूनी झिल्ली को प्रभावित करता है जिससे एलर्जी, साइनस और नाक बंद रहने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। धुएँ के कारण नाक की सूंघने की क्षमता भी कम हो सकती है। कानों पर भी इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। गले और नाक में संक्रमण होने पर उसका असर कानों तक पहुंच सकता है। इससे कान में दर्द, भारीपन या सुनने में परेशानी हो सकती है। बच्चों और युवाओं में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है। बुद्धापन होने वाला बहरापन बढ़ जाता है। मधुमेह के रोगी में विशेष हानिकारक होता है। हुक्का पीने से मुंह और दांतों पर भी असर पड़ता है, इससे दांत पीले पड़ जाते हैं। मसूड़ों में सूजन आ जाती है और मुंह से दुर्गंध आने लगती है। लगातार हुक्का पीने वाले लोगों में मुंह के कैंसर का खतरा भी बढ़ जाता है। हुक्का केवल कान, नाक और गले को ही नहीं बल्कि पूरे शरीर को प्रभावित करता है इससे फेफड़ों की क्षमता कम होती है और सांस संबंधी रोग बढ़ते हैं। हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और कमजोरी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। गर्भवती महिलाओं के लिए हुक्का अत्यंत हानिकारक माना जाता है क्योंकि इसका प्रभाव बच्चे के स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है। सामान्यतया यह माना जाता है कि धुआं पानी से छनकर आने के कारण हानिकारक तत्व पानी में रह जाते हैं। ऐसा नहीं है केवल तापमान गिर जाता है। टॉक्सिक पदार्थ स्वास्थ्य के साथ फेफड़ों में पहुंचते हैं।



दूसरा महत्वपूर्ण यह है कि हुक्के में शीशा इत्यादि खराब पदार्थ मिले होने के कारण कैंसर का खतरा कई गुणा बढ़ जाता है। सबसे हानिकारक है सिगरेट की अपेक्षा हुक्के में दम कई गुणा ताकत से लगाने के कारण यह फेफड़ों और साइनस के अन्दर गहराई तक जाकर नुकसान पहुंचता है। समाज में यह जागरूकता फैलाना बहुत आवश्यक है कि हुक्का किसी भी प्रकार से सुरक्षित नहीं है। युवाओं को इसके दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से लोगों को तम्बाकू और हुक्के से दूर रहने के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि कोई हुक्का पीने की आदत छोड़ना चाहता है तो उसे परिवार और डाक्टर की सहायता लेनी चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

टीवी चैनलों की डिबेट में कम जानकारी रखने वाले न बुलाए जाएं

मौजूदा समय में टीवी चैनलों पर जिस तरह की डिबेट हो रही है, उसे देखकर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि या तो कुछ चेहरें सिर्फ पैसों के लिए वहां जाते हैं या फिर डिबेट में शामिल होने वाले अधिकांश लोगों को पास इतना ज्ञान नहीं होता कि वे अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकें। नतीजा यह होता है कि उनकी बदनामी होती है या फिर उनका मजाक उड़ाया जाता है। हम काफी समय से देख रहे हैं कि अधिकांश टीवी चैनलों की डिबेट में वास्तविक चर्चा के बजाय कुछ और ही होता है, जिसका न तो जनता की समस्याओं से कोई संबंध होता है और न ही उसे पत्रकारिता की मर्यादा में रखा जा सकता है। पिछले कई वर्षों से अधिकतर चैनलों पर हिंदू-मुस्लिम मुद्दों के नाम पर बहस के मंच सजते हैं। इनमें राजनीतिक लोगों से लेकर खुद को आलिम बताने वाले लोग भी शामिल होते हैं। इनमें से कई ऐसे होते हैं जिनकी बातें सुनकर लगता है कि या तो उन्हें सिर्फ पैसे लेकर बुलाया गया है या फिर उनके पास इतना ज्ञान ही नहीं है कि वे मुसलमानों से जुड़े मुद्दों पर मजबूती के साथ अपनी बात रख सकें। कुछ लोग यह भी करते हैं कि टीवी चैनलों पर होने वाली ऐसी डिबेट का बहिष्कार कर देना चाहिए, लेकिन आज के मीडिया युग में मीडिया से दूरी बनाकर नहीं रखा जा सकता, क्योंकि इससे मुसलमानों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है और वे उठा भी रहे हैं।



यह एक कड़वी सच्चाई है कि मुसलमान आज भी मीडिया से उस स्तर पर नहीं जुड़ पाए हैं, जिस स्तर पर उन्हें जुड़ना चाहिए था। उन्होंने अभी तक मीडिया को अपनी आवश्यकताओं में उस तरह शामिल नहीं किया है, जितनी आज एक मजबूत और प्रभावशाली मीडिया की उन्हें आवश्यकता है। जब तक मुसलमान मीडिया की अहमियत को नहीं समझेंगे, तब तक उनके सामने इसी तरह की समस्याएं आती रहेंगी और टीवी चैनलों की डिबेट में उनके बारे में वैसे ही बातें होती रहेंगी जैसी आज देखने को मिल रही हैं। यदि गंभीरता से विचार किया जाए कि आज मुसलमानों के पक्ष को

मजबूती और प्रभावी ढंग से रखने वाले कितने लोग टीवी चैनलों की डिबेट में मौजूद हैं, तो अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है। केवल कुछ ही लोग ऐसे दिखाई देते हैं जो मुस्लिम मुद्दों पर होने वाली बहस में अपनी बात प्रभावशाली ढंग से रख पाते हैं। बाकी लोगों का हाल यह है कि वे अक्सर हंगामा करते हुए नजर आते हैं या फिर जवाब न होने की स्थिति में उनका मजाक तक उड़ाया जाता है। मीडिया समय की जरूरत है और मुसलमानों की भी एक बड़ी जरूरत है। इसलिए आवश्यक है कि

योग्य मुसलमान आगे आएँ। विशेष रूप से प्रतिभाशाली और पढ़े-लिखे युवाओं को आगे बढ़ना चाहिए तथा उनकी होसला-अफजाई की जानी चाहिए। मीडिया में ऐसे ही सक्षम मुस्लिम युवाओं को अवसर मिलना चाहिए जिन्हें धार्मिक ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक, राजनीतिक और समसामयिक मुद्दों की भी अच्छी समझ हो। मीडिया में मुसलमानों की स्थिति का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब देश का कोई बड़ा आलिम किसी मुद्दे पर अपनी व्यक्तिगत राय देता है, तो कई मीडिया संस्थान उसे 'फतवा' के रूप में प्रस्तुत कर देते हैं, जबकि फतवे और व्यक्तिगत राय में



जमीन-आसमान का अंतर होता है। किसी भी डिबेट में हंगामा या शोर-शराबा करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। यह केवल एक गलत तरीका है। बेहतर यही है कि शालीनता, तर्क और प्रभावी शैली के साथ अपनी बात मीडिया में रखी जाए। जो मुस्लिम संगठन मुसलमानों की भलाई के लिए काम करते हैं और जिनके कई कार्य सराहनीय भी हैं, दुर्भाग्य की बात यह है कि मीडिया के क्षेत्र में उनकी ओर से भी ऐसे आवश्यक कदम नहीं उठाए जा रहे हैं जिनसे यह कहा जा सके कि वे समुदाय की सही तस्वीर पेश करने के लिए मीडिया में गंभीर प्रयास कर रहे हैं। आज स्थिति यह हो गई है कि मुसलमानों के बारे में अनेक गलतफहमियां पैदा कर दी गई हैं, जिनका नुकसान कहीं न कहीं उन्हें उठाना पड़ रहा है। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि जब टीवी चैनलों की डिबेट में मुस्लिम मुद्दों पर चर्चा होती है, तो वहां मुसलमानों की सही तस्वीर पेश होने के बजाय उनके बारे में गलत धारणाएं अधिक पैदा होती हैं और फिर वे गलतफहमियां दूर-दूर तक फैल जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)



बुढ़ापा रोकने की तकनीक बना रहा रूस

सुअर के अंदर इंसानी अंग उगाने पर काम जारी, 2.47 लाख करोड़ का एंटी एजिंग प्रोजेक्ट

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बढ़ती उम्र और शरीर की कमजोरी को रोकने के लिए 26 अरब डॉलर यानी करीब 2.47 लाख करोड़ रूपए का बड़ा सरकारी प्रोजेक्ट शुरू किया है। 'न्यू हेल्थ प्रिजर्वेशन टेक्नोलॉजीज' नाम के इस प्रोग्राम में मिनी-पिप्स (विशेष प्रजाति के सुअर) के अंदर इंसानी अंग उगाने जैसे तकनीकों पर काम किया जाएगा।

द वाल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट में जीन थैरेपी, लैब में इंसानी अंग तैयार करना और बेहद कम तापमान वाली क्रायोथैरेपी जैसे तकनीकों पर भी काम होगा। रूसी सरकार का दावा है कि इस मिशन का मकसद उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करना और दशक के अंत तक करीब 1.75 लाख लोगों की जान बचाना है। रूस के डिप्टी साइंस मिनिस्टर डेनिस सेक्रीनस्की ने अप्रैल में कहा था कि वैज्ञानिक इसी जीन थैरेपी तैयार कर रहे हैं,



इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा हिस्सा बायोप्रिंटिंग पर आधारित है

जो शरीर की कोशिकाओं को उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सके। उन्होंने इसे एंटी-एजिंग की दिशा में सबसे अहम रिसर्च में से एक बताया। इस प्रोजेक्ट का एक बड़ा हिस्सा बायोप्रिंटिंग पर आधारित है। 3डी प्रिंटर की मदद से जीवित टिश्यू और अंग तैयार किए जाते हैं। रूसी वैज्ञानिकों का दावा

है कि वे इंसानी कार्टिलेज और चूहे की थायरॉयड ग्लैंड तैयार कर चुके हैं। लक्ष्य है कि 2030 तक इंसानी अंगों का पूरी तरह रिप्लेसमेंट किया जा सके। इसके साथ ही रूस जेनेटिकली मॉडिफाइड मिनी-पिप्स के अंदर इंसानी लिवर, किडनी और दिल को विकसित करने पर भी काम कर रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे भविष्य में आर्गन ट्रांसप्लांट की कमी दूर हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुतिन काफी समय से क्रायोथैरेपी और पेन्टाइड थैरेपी लेते रहे हैं। रूस के वैज्ञानिक व्लादिमीर खाविंसन पुतिन को बड़ों के टिश्यू से बने खास पेन्टाइड्स देते थे। वे पेन्टाइड थैरेपी के जरिए एंटी-एजिंग इलाज का समर्थन करते थे। उनका दावा था कि इंसान 120 साल तक जी सकता है। ऐसा कहा जाता है कि पुतिन खुद को जवान रखने के लिए क्रायोथैरेपी का इस्तेमाल भी करते हैं। इसमें शरीर को करीब माइनस 112 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में कुछ समय रखा

जाता है। आस्ट्रिया के पूर्व चांसलर सेबास्टियन कुर्ज ने बताया था कि 2018 में क्रैमलिन की एक बैठक के दौरान पुतिन ने उन्हें इस थैरेपी के फायदे विस्तार से बताए थे। पुतिन खुद को जवान रखने के लिए-112 डिग्री सेल्सियस ठंडे पानी में रहते हैं। इसे क्रायोथैरेपी या कोल्ड-थैरेपी कहा जाता है। पिछले साल बीजिंग में एक सैन्य परेड के दौरान पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बातचीत खूब चर्चा में रही थी। दरअसल वे इंसानी अंग बदलकर जीवन बढ़ाने और इंसानों के 150 साल तक जीने की संभावना पर बात करते सुनाई दिए थे। यह बातचीत एक हॉट-माइक रिकार्डिंग में दर्ज हो गई थी। उस समय इसे दो उम्रदराज नेताओं की सामान्य बातचीत माना गया, लेकिन अब इसे रूस की लंबी उम्र वाली सरकारी योजना से जोड़कर देखा जा रहा है। 73 साल के पुतिन लंबे समय से खुद को ताकतवर और फिट नेता के रूप में पेश करते रहे हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने दिया विवादित बयान

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने रविवार को संसद में एक विवादित बयान देते हुए कहा कि जैसे भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, वैसे ही नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया है।

कहा: भारत ने नेपाल की जमीन पर जैसे अतिक्रमण किया है, वैसे ही कई जगहों पर नेपाल ने भी भारत की जमीन पर अतिक्रमण किया

द काठमांडू पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल के प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी के सीमा विवाद को कूटनीतिक बातचीत के जरिए सुलझाया जाएगा। श्रम संस्कृति पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) की उप-संसदीय दल की नेता पद्मा जवाब देते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर अतिक्रमण

किया है। इस मामले पर दोनों पक्षों को एक साथ बैठकर विचार करने की जरूरत है। इसके अलावा, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा के रास्ते भारत और चीन के बीच होने वाले व्यापार पर नेपाल सुलझाया जाएगा। श्रम संस्कृति पार्टी के सांसद आरने राय के संसद में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मुझे पता चला कि न केवल भारत ने नेपाल की जमीन पर अतिक्रमण किया है, बल्कि नेपाल ने भी कई जगहों पर भारत की भूमि पर अतिक्रमण

डोनाल्ड ट्रम्प की ईरान को नई धमकी

कहा: अमेरिका ईरान से बहुत अच्छे समझौते के करीब, नहीं बनी बात, तो अपनाएंगे दूसरा रास्ता



हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं अगर हम इसे कर लेते हैं, तो अच्छा है: ट्रम्प
अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक, ईरान ने कहा है: वह परमाणु हथियार विकसित नहीं कर रहा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका और ईरान एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वाशिंगटन को अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप नतीजा नहीं मिला तो वह इसे दूसरे तरीके से खत्म करेगा।
ट्रम्प ने यह टिप्पणी अपनी बहू लारा ट्रम्प को दिए एक साक्षात्कार में की, जिसका प्रसारण शनिवार रात फोक्स न्यूज पर हुआ। उन्होंने कहा कि हम एक बहुत अच्छे सौदे के करीब हैं। अगर आप जल्दबाजी करेंगे, तो आपको अच्छा सौदा नहीं मिलेगा। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, हमें वह मिल रहा है

जो हम चाहते हैं-और अगर हमें वह नहीं मिला तो हम चाहते हैं, तो हम इसे किसी और तरीके से समाप्त करेंगे। ट्रम्प ने कहा कि ईरानी अच्छे वार्ताकार हैं, लेकिन उनका दावा था कि इस समय अमेरिका के पास सभी परते हैं, क्योंकि ईरान सैन्य रूप से पराजित हो चुका है। उन्होंने कहा कि हम एक बहुत अच्छे समझौते के करीब हैं। अगर हम इसे कर लेते हैं, तो अच्छा है। वरना हम सीधे युद्ध विभाग को लाएंगे, जैसा कि हम इसके नाम को बुलाते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक, ईरान ने कहा है कि वह परमाणु हथियार विकसित नहीं कर रहा। हालांकि, उन्होंने सवाल उठाया कि अगर वह ऐसा

आईआरजीसी ने अमेरिकी ड्रोन मार गिराने का किया दावा

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड फोर्स ने रविवार को एक बयान में कहा कि उसने अमेरिका के एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया है। यह जानकारी इस्लामिक रिपब्लिकन न्यूज एजेंसी ने दी। रिपोर्ट के अनुसार, यह ड्रोन कथित तौर पर ईरान के क्षेत्रीय जलक्षेत्र में दाखिल हुआ था। आईआरजीसी ने कहा कि ड्रोन का तुरंत पता लगा लिया गया और उसे वायु रक्षा मिसाइलों से गिरा दिया गया। इससे पहले आईआरजीसी ने कहा था कि अगर अमेरिका युद्धविमान (सोजफायर) का उल्लंघन करता है, तो उसके पास जवाबी कार्रवाई करने का 'वेध और निश्चित' अधिकार सुरक्षित है। आईआरजीसी ने दावा किया था कि उसकी वायु रक्षा इकाइयों ने अमेरिका के एमक्यू-9 ड्रोन को भी मार गिराया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, आईआरजीसी ने यह भी कहा कि उसने एक लड़ाकू विमान पर फायरिंग की, जो कथित तौर पर ईरानी क्षेत्र में घुस आया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने कहा है कि उसने ईरान पर नए 'आत्मरक्षा संबंधी हमले' किए हैं।

हथियार खरीद ले तो क्या होगा। उन्होंने कहा कि अब इसमें लिखा है कि हम न तो सैन्य हथियार विकसित करेंगे और न ही किसी भी तरह से खरीदेंगे। यह एक बड़ा अंतर है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका का ईरान पर महत्वपूर्ण दबाव है, क्योंकि उसकी नौसेना और वायुसेना पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान की पूरी सैन्य क्षमता को खत्म नहीं किया, क्योंकि वहां के कुछ नेता अपेक्षाकृत नरम रुख वाले हैं। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ईरान के अधिक कस्टर्डपंथी तत्वों और प्रमुख नेतृत्व को निशाना बनाया। शुक्रवार को ट्रम्प ने सिचुएशन रूम में अपने कैबिनेट

सहयोगियों और सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक की, लेकिन भविष्य की रणनीति को लेकर कोई स्पष्ट निर्णय सामने नहीं आया। इस बीच, अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सओएस की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प ने उस समझौते में कई संशोधनों की मांग की है, जिस पर अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनी थी।

रूस के ऊर्जा ठिकानों पर यूक्रेन की ड्रोन स्ट्राइक

मास्को। यूक्रेन ने शनिवार रात से रविवार तक रूस के ऊर्जा ठिकानों पर नए हमले किए। रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। वहीं, कीव ने रूस के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि एक यूक्रेनी ड्रोन ने क्रैमलिन के कब्जे वाले एक अहम परमाणु संयंत्र पर हमला किया। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

परमाणु संयंत्र पर हमले का आरोप किया खारिज रूसी अधिकारियों ने हमले की पुष्टि की



आग लग गई। यूक्रेन ने हाल के महीनों में रूस को तेल और गैस सुविधाओं पर हमले तेज कर दिए हैं। उसका कहना है कि ऊर्जा क्षेत्र से मिलने वाला धन और संसाधन मास्को को चार साल से अधिक समय से जारी आक्रमण को समर्थन देते हैं। इस बीच, कीव ने रूस के उस आरोप को भी खारिज किया कि एक यूक्रेनी ड्रोन ने रूस के कब्जे वाले जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला किया। यह संयंत्र यूक्रेन और पूरे

दुनिया में अमन की गारंटी बना भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए यहां एक कार्यक्रम में उन शांतिरक्षकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने कर्तव्य का पालन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र में भारत और आस्ट्रिया के स्थायी मिशन ने यहां एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बलिदान शांति रक्षकों के सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, पर्वतनेनी हरीशंकर ने कहा, ये शांतिरक्षक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संकटग्रस्त क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करते आ रहे हैं। इस संबंध में भारत का योगदान अहम है। वह बोले, शांति सैनिकों के अथक प्रयासों से खतरनाक परिस्थितियों में भी दुनिया भर में शांति और स्थिरता बनी रहती है।

फ्रांस में हिंसक झड़पों के मामले में 400 गिरफ्तार

पेरिस। फ्रांस में फुटबॉल प्रशंसकों और पुलिस के बीच हुई झड़पों में 400 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुष्कास एरिना में खेले गए चैंपियंस लीग के फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने आर्सेनल को पेनाल्टी शूटआउट में हरा दिया। इसके बाद शनिवार को देर रात जश्न के दौरान जश्न के दौरान हिंसा भड़क गई।
बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार राजधानी पेरिस में बस, ट्रेन और रेल सेवाओं को बाधित करने वाली अशांति को रोकने के लिए हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। आतिशबाजी और फ्लेयरस जलाए गए। इस झड़प में कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए। शहर के बीचों-बीच भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। गौरतलब है कि जहां पीएसजी ने लगातार दूसरी खिला

शहर के बीचों-बीच भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े

जोती थी, वहीं यह लगातार दूसरा साल भी था, जब फुटबॉल की वजह से हिंसा भड़की। इससे पहले 2025 में फ्रांसीसी टोम की जीत के बाद हुए जश्न ने हिंसक रूप ले लिया था। सोशल मीडिया में प्रसारित तस्वीरों में पेरिस में सड़कों पर इलेक्ट्रिक वाइक जलती हुईं और जश्न मनाने वालों को कम से कम एक दुकान के शीशे तोड़ते हुए देखा जा सकता है। पुलिस ने बताया कि इस अशांति के दौरान छह वाहन, दो दुकानें और एक बस स्टॉप क्षतिग्रस्त हो गए। फ्रांस के गृह मंत्रालय ने बताया कि रविवार तड़के 416 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें पेरिस के 280 लोग शामिल हैं।

यौन समस्याएं

यौन समस्याओं के विशेषज्ञ

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

डा. सम्राट

नशामुक्ति, शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉल कैप्सूल, ओपीएम, चरस, डोडे पोस्ट इंजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

नावल्दी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

M-941221108

JAI GOVIND PUBLIC SCHOOL, JOYA

Creates History in the Field of Entrance Exams

AAFIYA CALSS-8

AIMAN NOOR CALSS-7

MONIS CALSS-6

RIYAPAL CALSS-5

ARIBA CALSS-4

KULWANT CALSS-3

ISHBA RANI CALSS-2

ADNAN CALSS-1

SADAF CHOUDHARY
IFS (UPSC AIR 23)
(FORMER STUDENT OF JGPS)

FIRST ENGLISH MEDIUM COACHING IN DISTRICT

TRANSPORT FACILITY AVAILABLE

DAY BOARDING

POLLUTION FREE ATMOSPHERE

WI-FI CAMPUS

रफाउल हसन
प्रधानाचार्य

ADMISSION OPEN
SESSION 2026-27

सरल कुमार
प्रबंधक

सैनिक स्कूल, नवोदय, मिलिटरी स्कूल, ए.एम.यू., जामिया, विद्याज्ञान एवं राई स्पोर्ट्स स्कूल के प्रवेश परीक्षा की तैयारी हेतु सम्पर्क करें

पता: जय गोविन्द पब्लिक स्कूल निकट सोत पुल, दिल्ली रोड, जोया

9412137554
9997161490